सोलह संस्कार

1. गर्भाधान
2. पुंसवन
3. सीमान्तोनयन
4. जातकर्म
5. नामकरण
6. निष्क्रमण
7. अन्नप्राशन
8. चूड़ाकर्म
9. कर्ण बेध
10. विद्यारम्भ
11. उपनयन
12. वेदारम्भ
13. केशान्त
14. समावर्तन
15. विवाह
16. अंत्येष्टि

इन 16 संस्कारों के माध्यम से मनु
के जीवन का शुरुआत होती है और समय - समय
एक एक संस्कार, सामाजिक जीवन में होता है
है। इन संस्कारो से मनुष्य शुद्ध और स्वस्थ जीव
जीते हैं। जैसे जैसे उम्र बढ़ती रहती है वैसे वैसे
अपने अगले पड़ाव को प्राप्त करते है।

आजकल विवाह संस्कार, ज
यापन की समस्या का हल होने के बाद ही लो
है। विवाह अत्यन्त हर्ष उल्लास से सम्पन्न होता है
गर्भाधान से एक अन्य जीवन की शुरुआत हो
जाती है। यह क्रम जीवन की स्थिरता और
शीलता प्रदान करती है। इससे सामाजिक जीव
को आगे ले जाया जाता है। मृत्यु अंतिम सस्क